मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
# उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 121 ■ सोमवार 20 जुलाई 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

20-25 ऑडिशन में रिजेक्ट हुईं रश्मिका मंदाना

# नगरसेवक रमेश म्हात्रे को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत

■ आधारवाड़ी जेल में रवानगी

**कल्याण.** डोंबिवली के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों से मारपीट करने वाले शिवसेना नगरसेवक रमेश म्हात्रे को मुंबई उच्च न्यायालय ने बड़ा झटका दिया है। मुंबई उच्च न्यायालय ने रमेश म्हात्रे की जमानत रद्द कर उन्हें विष्णुनगर पुलिस स्टेशन में सरेंडर करने का आदेश दिया। न्यायालय के आदेश पर रमेश म्हात्रे ने रविवार की दोपहर विष्णुनगर पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण किया। जिसके बाद पुलिस ने उन्हें कल्याण न्यायालय में पेश किया। जहां न्यायाधीश ने रमेश म्हात्रे को 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। याद रहे कि शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों से मारपीट के मामले में रमेश म्हात्रे को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि कल्याण न्यायालय ने उन्हें जमानत मंजूर कर दी थी। लेकिन इस मामले में मुंबई उच्च न्यायालय ने खुद संज्ञान लेते हुए रमेश म्हात्रे की जमानत रद्द कर दी और पुलिस थाने में सरेंडर करने का आदेश दिया। जिसके बाद आज कल्याण न्यायालय में सुनवाई के बाद रमेश म्हात्रे को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। न्यायालय के आदेश के बाद रमेश म्हात्रे की कल्याण के आधारवाड़ी जेल में रवानगी कर दी गई।

# 530 ग्राम गांजे सहित युवक गिरफ्तार

**उल्हासनगर.** कैम्प-3 स्थित विठ्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन के पास गोपाल समाज परिसर में रेलवे ट्रैक के किनारे एक व्यक्ति द्वारा गांजा की बिक्री किए जाने की गुप्त सूचना पर मध्यवर्ती पुलिस स्टेशन की क्राइम डिटेक्शन टीम ने गुरुवार को छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने इम्तियाज उर्फ पप्पा युसुफलाला (40) को गांजा बेचते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 530 ग्राम गांजा, जिसकी कीमत 9 हजार रुपये है, पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपी को हिरासत में लिया है। इस मामले में मध्यवर्ती पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(क) एवं 20(ब)(ii)(अ) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली और पुलिस निरीक्षक शीतल बामने के नेतृत्व में गुन्हेशोध पथक द्वारा की गई। कार्रवाई में एपीआई शेवाले, पुलिस हवालदार अनिल पाटील, प्रमोद जाधव, चंदू शिंदे, हांडे देशमुख तथा निलेश नागरे सहित पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# ट्रैफिक जाम से ठाणे जाना हुआ मुश्किल

■ ठाणे से अंबरनाथ पहुंचने में लगा ढाई घंटे का समय

■ कल्याण, उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर का सफर बना मुसीबत

**अंबरनाथ.** ठाणे से उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर का सफर लोगों के लिए दिन-ब-दिन बहुत टाइम लेने वाला और तकलीफदेह होता जा रहा है। शुक्रवार शाम को इस रूट पर जानलेवा ट्रैफिक जाम से यात्रियों को ठाणे शहर से अंबरनाथ पहुंचने में दो से ढाई घंटे लग गए। हालांकि खड्डे और पलावा में संकरे पुल की वजह से लगने वाला ट्रैफिक जाम कुछ हद तक खत्म हो गया है, लेकिन सड़कों पर अचानक लेन संकरी होने, चौराहों पर अनुशासनहीनता और जमीन अधिग्रहण रुकने की वजह से अब नए ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई है। इस वजह से सड़कों और पुलों पर काम होने के बावजूद यात्री निराश हैं।

अंबरनाथ-कटाई और कटाई-शिलफाटा रूट पहले से ही ट्रैफिक जाम वाले रूट के तौर पर जाने जाते हैं। मेट्रो, एलिवेटेड रोड और बुलेट ट्रेन जैसे प्रोजेक्ट्स की चर्चा के चलते इस रूट पर कई कमर्शियल जगहें और बिल्डिंग बन गई हैं। बढ़ते ट्रैफिक की वजह से,

एडमिनिस्ट्रेशन ने मुंब्रा बाईपास पर Y जंक्शन ब्रिज, शिलफाटा पर फ्लाईओवर और कल्याण फाटा पर लेन आइसोलेशन बनाया है। हालांकि, इन उपायों के बाद भी, कई जगहों पर सड़कें अचानक पतली हो गई हैं, जिससे जाम बढ़ गया है। कोंकण रत्न होटल, किंग्स होटल और शालू ढाबा के पास, तीन से चार लेन वाली सड़क अचानक दो लेन की हो जाती है। इस वजह से, गाड़ियों की लंबी कतारें लग जाती हैं और ट्रैफिक बहुत धीरे चलता है। देसाई गांव चौक और सड़क के किनारे साड़ी और फर्नीचर की दुकानों के बाहर पार्किंग होने से भी गाड़ियों की स्पीड धीमी हो जाती है।

दूसरी ओर, पलावा में फ्लाईओवर खुल जाने के बावजूद, पलावा चौक पर ट्रैफिक जाम अभी भी है। कटाई से आने वाला फ्लाईओवर अधूरा है और पुल के दोनों सिरों पर सड़क की चौड़ाई काफी नहीं है, इसलिए गाड़ियों को मुड़ने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। इसके साथ ही, कटाई चेकपॉइंट पर, शाम को दूसरी तरफ से आने वाले दोपहिया वाहन सवार और रिक्शा चालक अचानक दाहिनी लेन में घुसने की कोशिश करते हैं। इस वजह से नेवाली और शिलफाटा की तरफ ट्रैफिक पूरी तरह से रुक गया है। रात में तो ट्रैफिक पुलिस भी इस अनुशासनहीनता के आगे बेबस नजर आती है।

कोलेगांव चेकपॉइंट पर, बिना इजाज़त के लगने वाले मार्केट और सड़क किनारे लगने वाले ठेलों की वजह से सड़क पतली हो जाती है और गाड़ियां फंस जाती हैं। यहां से खोनी और म्हाडा बस्तियों के पास जाम का सामना करना पड़ता है। हालांकि, इस पूरे सफर में सबसे मुश्किल हिस्सा नेवाली चेकपॉइंट पर है। किसी तरह इस जाम से निकलने के बाद, अधूरी सड़क की वजह से सिर्फ 300 मीटर दूर फिर से गाड़ियों की लाइन लग जाती है। यहां ज़मीन अधिग्रहण का मामला अभी तक हल न होने की वजह से सड़क चौड़ी करने का काम रुका हुआ है और हर साल मानसून में सड़क बह जाती है। यात्रियों में बहुत गुस्सा है क्योंकि उन्हें विकास के कामों के नाम पर हर दिन ढाई घंटे की सज़ा भुगतनी पड़ती है।

# कुमार आयलानी फेल आमदार -निकम

■ उल्हासनगर की दुर्दशा का जिम्मेदार आयलानी - निकम

■ 15 वर्षों से शहर ICU में - कमलेश

■ श्रेय लेने का पूरा प्रयास करते हैं आमदार

■ सांसद के मार्गदर्शन में होगा शहर का विकास

**उल्हासनगर.** शुक्रवार को आयोजित पत्रकार परिषद में शिवसेना नेता कमलेश निकम ने विधायक कुमार आयलानी के नेतृत्व और उनकी कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महापौर अश्विनी निकम के चार महीने के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों के बावजूद विधायक को

सड़क पर उतरकर विरोध करना पड़ रहा है। निकम ने कहा कि शहरहित में कई विकास परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं और ऐसे समय राजनीतिक विरोध के बजाय सहयोग की आवश्यकता है। पत्रकार परिषद में दावा किया गया कि महापौर अश्विनी निकम के नेतृत्व में चार महीनों के भीतर 25 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से आंतरिक सड़कों के निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं। इसके अलावा नए उद्यान, डिजिटल स्कूल, महिला भवन और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम शुरू किया गया है। कमलेश निकम ने कहा कि सांसद के प्रयासों से शहर की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार हुआ है और महापौर स्वयं मौके पर पहुंचकर अधिकारियों के कार्यों की निगरानी कर रही हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि शहर में मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है तथा आरोपियों पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है।

### विधायक पर लगाए गंभीर आरोप

निकम ने विधायक कुमार आयलानी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे गरीबों के बजाय संपन्न वर्ग के हितों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि म्हारल गांव में नाले का निर्माण नहीं कराया जा रहा, जबकि कुछ क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। उनके अनुसार विकास कार्यों में संतुलन होना चाहिए और प्राथमिकता आम नागरिकों की बुनियादी सुविधाओं को मिलनी चाहिए। शिवसेना नेता ने कहा कि अगले एक वर्ष में शहर की तस्वीर बदल जाएगी और ढाई वर्षों के भीतर ऐसे विकास कार्य होंगे जिन्हें नागरिक लंबे समय तक याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि महापौर ने अपने चार महीने के कार्यकाल में प्रशासन को सक्रिय किया है और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## महासभा में रखे जाएंगे 5 अतिरिक्त प्रस्ताव

**उल्हासनगर.** मनपा की 20 जुलाई को होने वाली महासभा से पहले नगर सचिवालय ने पूरक सूचना जारी करते हुए पांच अतिरिक्त प्रस्तावों को एजेंडे में शामिल किया है। इन प्रस्तावों में टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी की जांच, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 से वंचित लोगों को नोटिस जारी करने, सार्वजनिक निर्माण विभाग का टेंडर रद्द करने और शहर के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। महासभा में संतोष नगर और महादेव नगर क्षेत्र के प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के लाभार्थियों से संबंधित मदों पर चर्चा होगी।

# बारवी डैम में 54% हुआ जलस्तर

**बदलापुर.** ठाणे जिले की प्यास बुझाने वाले बारवी डैम इलाके में बारिश ने एक बार फिर अच्छी शुरुआत की है। जुलाई के दूसरे हफ्ते में हुई भारी बारिश की वजह से डैम में पानी का जमाव बहुत धीरे-धीरे बढ़ रहा था। लेकिन, अब बारिश की तेज़ी फिर से बढ़ गई है और रविवार, 19 जुलाई को डैम में पानी का जमाव 54 परसेंट के आंकड़े को पार कर गया। हालांकि, पिछले साल के मुकाबले डैम में पानी का जमाव अभी भी 24 परसेंट कम है, इसलिए प्रशासन और लोगों का ध्यान बारिश के आगे बढ़ने पर है।

अगर इस साल के मॉनसून को देखें तो बारिश में काफी देरी देखने को मिलती है। पूरा जून महीना सूखा रहने के बाद जुलाई के पहले हफ्ते में बारिश ने ज़ोरदार शुरुआत की। 8 जुलाई को 247.80 mm और 9 जुलाई को 57.20 mm बारिश के साथ डैम का जमाव तेज़ी से 48.27 परसेंट तक पहुंच गया था। हालांकि, उसके बाद 10 और 11 जुलाई को सिर्फ़ 1.40 mm और 1.20 mm बारिश होने से स्टोरेज बढ़ने में बड़ा ब्रेक लग गया था। लगातार छह दिनों के ब्रेक के बाद, डैम 16 जुलाई को किसी तरह 50 परसेंट के टारगेट तक पहुंच गया था।

अब, पिछले दो-तीन दिनों से बारिश फिर से तेज़ हो गई है और आज, 19 जुलाई के ताज़ा डेली डेटा के मुताबिक, डैम एरिया में 36.00 mm बारिश रिकॉर्ड की गई है। इस बारिश की वजह से डैम में इस्तेमाल करने लायक पानी का स्टोरेज 184.78 मिलियन क्यूबिक मीटर और पानी का परसेंटेज 54.23 परसेंट तक पहुंच गया है। डैम का वॉटर लेवल अब 66.00 मीटर तक पहुंच गया है। डैम का ओवरफ्लो लेवल 72.60 मीटर है। इस सीज़न की कुल बारिश बारह साल का आंकड़ा पार कर चुकी है और अब 1201.00 मिलीमीटर हो गई है।

# भाऊ परसराम झूलेलाल मंदिर में चालिया साहेब की धूम

■ रोजाना नए कलाकारों का होगा कार्यक्रम

**उल्हासनगर.** उल्हासनगर-1 स्थित भाऊ परसराम झूलेलाल मंदिर में हर वर्षी की तरह इस वर्ष भी 16 जुलाई से सिंधी समाज के पावन पर्व चालिया साहिब की शुरुवात हो चुकी है। यहां रोजाना हजारों की संख्या में भगवान श्री झूलेलाल के दर्शन व मंदिर प्रमुख भाऊ लीलारामजी से आर्शिवाद ले रहे हैं। भाऊ हरगुन मूलचंदानी की देखरेख में इस चालिया साहेब मेले की कार्यक्रम हो रहा है जहां रोजाना नए गीतकार व संगीतकार अपना कार्यक्रम पेश करेंगे।

ज्ञात हो कि 16 जुलाई से शुरु हुए इस महाव्रत चालिया साहेब का आज पांचवा दिन है और ऐसे में रोजाना नए कलाकार अपने मधुर लाल साईं के गीतों से झूलेलाल भक्तों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। कल 19 जुलाई को भरत भगत का कार्यक्रम आयोजित किया गया था और आज 20 जुलाई कोमती सुमन भग्तियानी के गीत होंगे इसके साथ ही 21 जुलाई को राज जुरियानी और 22 जुलाई को भगत पिकी चावला का कार्यक्रम होगा। सभी गीतकार अपने मधुर आवाज से लाल साईं के भक्तों के लिए अपने गीत पेश करेंगे। मंदिर परिसर में पानी व प्रसाद की व्यवस्था की गई है और परिसर में साफ सफाई को खासा ध्यान रखा जा रहा है। सभी श्रद्धालुओं से अपील है कि समय पर आकर इस मेले का आनंद उठाएं।

# बैनर लगाते समय मजदूर की करंट लगने से मौत

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ और बदलापुर के बीच एक बड़े होर्डिंग पर बैनर लगाते हुए एक 24 वर्षीय मजदूर इंद्रेश राजभर की ऊपर से जा रहे हाईटेंशन वायर से करंट लगने से वह ऊपर से नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई है. उसे बदलापुर के उप जिला अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इंद्रेश की चार महिने पूर्व ही शादी हुई थी. वह बालकुम ठाणे का निवासी था. शिवाजी नगर पुलिस घटना की जांच कर रही है. ठेकेदार ने मजदूर के बचाव के लिए कोई सुरक्षा के उपाय नहीं किए थे. बड़ी बात ये है कि इतनी ऊंचाई तक होर्डिंग्स लगाने एव हाइटेंशन वायर के नीचे केवल 2 फुट का फासला रख कर होर्डिंग लगाने की अनुमति नपा प्रशासन ने कैसे दिया था. मृतक इंद्रेश राजभर के साथी आनंद राजभर ने पत्रकारों को बताया कि होर्डिंग्स पर बैनर लगाते समय इंद्रेश के हाथ की ताह हाईटेंशन वायर से टच हो गई और करंट लगने से उसकी मौत हो गई.

अंबरनाथ शिवसेना के नगरसेवक राजेंद्र वालेकर ने बताया कि अधिकृत होर्डिंग्स हटाने के लिए उन्होंने नपा सभागृह में आवाज उठाया था. उनकी आवाज सुनी नहीं गई और शनिवार को ये घटना हुई है. उन्होंने इसका सीधा जिम्मेदार नपा प्रशासन को ठहराया है. उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर भी बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगे हुए हैं. उन्होंने इन सब होर्डिंग्स को निकालने की मांग करते हुए कहा है कि घाटकोपर की तरह अंबरनाथ में भी ऐसी दुर्घटना हो सकती है.

# बदलापुर तक चलेगी 15 कोच वाली लोकल

**बदलापुर.** सेंट्रल रेलवे को 15 कोच वाली लोकल शुरू किए तीन साल से ज़्यादा हो गए हैं। लेकिन, रेलवे प्रशासन ने आखिरकार पिछले तीन सालों से रेल यात्रियों की यह मांग पूरी कर दी है कि ये 15 कोच वाली लोकल ट्रेनें बदलापुर तक शुरू की जाएं और पहली 15 कोच वाली लोकल ट्रेन 20 जुलाई से बदलापुर तक शुरू होगी। पहली 15 कोच वाली लोकल ट्रेन सोमवार को दोपहर 3:03 बजे मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से बदलापुर के लिए चलेगी, और यह लोकल ट्रेन बदलापुर रेलवे स्टेशन पर शाम 4:21 बजे पहुंचेगी।

रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन ने सेंट्रल रेलवे की मेन लाइन पर 15 कोच वाली लोकल ट्रेन शुरू करते समय बदलापुर रेलवे स्टेशन को भी शामिल कर लिया है। इसके साथ ही, अब अंबरनाथ और कर्जत स्टेशनों के बीच भी 15 कोच वाली लोकल ट्रेनें चलेंगी। इससे कल्याण और कर्जत के बीच रहने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। पिछले दो सालों से कल्याण से कर्जत रूट पर 15 कोच वाली लोकल ट्रेनों के स्टॉप के लिए प्लेटफॉर्म बढ़ाने समेत कई इंजीनियरिंग काम चल रहे थे। ये काम अब लगभग पूरे हो चुके हैं। इसलिए सेंट्रल रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन ने कल्याण से कर्जत के बीच 15 कोच वाली लोकल ट्रेनें शुरू करने का फैसला किया है। इस फैसले से मुंबई जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। कुल पांच ट्रेनें 15 कोच की बनाई गई हैं, जिनमें कल्याण से 1, अंबरनाथ से 2, बदलापुर से 1 और कर्जत से 1 ट्रेन शामिल है। ये ट्रेनें रेगुलर शेड्यूल के हिसाब से चलेंगी और मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से रात 11:08 बजे निकलने वाली अंबरनाथ स्लो लोकल को भी अब फास्ट और 15 कोच का बना दिया गया है। इससे पहले सेंट्रल रेलवे पर 15 कोच वाली 22 ट्रेनें चल रही थीं। इन ट्रेनों के बढ़ने के बाद इनकी संख्या 32 हो जाएगी।

# भैंसों को बच्चा देने के लिए दिया जा रहा 'ज़हर'

■ उल्हासनगर तबेले पर रेड

■ प्रतिबंधित दवा ऑक्सीटोसिन की 612 बोतलें ज़ब्त

**उल्हासनगर.** उल्हासनगर में भैंसों के जल्दी बच्चा देने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, वह भी नैचुरली नहीं, बल्कि बैन दवाओं की मदद से। पुलिस ने सेंट्रल पुलिस स्टेशन की हद में एक तबेले पर रेड मारी और तबेला चालक प्रकाश अमरलाल वाधवानी (उम्र 64) से ऑक्सीटोसिन की 612 प्लास्टिक बोतलें ज़ब्त कीं। जांच में पता चला कि करीब 11,000 रुपये का यह बैन स्टॉक गैर-कानूनी तरीके से रखा गया था।

सीनियर अधिकारियों के आदेश पर क्राइम ब्रांच की एक टीम ने उल्हासनगर कैंप-3 में जसलोक हाई स्कूल के पास एक अस्तबल पर रेड मारी। इस ऑपरेशन के दौरान पता चला कि अस्तबल में करीब 50 भैंसों के जल्दी बच्चा देने के लिए सरकार द्वारा बैन ऑक्सीटोसिन का इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से 612 प्लास्टिक बोतलें ज़ब्त कीं और स्टॉक को अपने कब्जे में ले लिया। इस मामले में सेंट्रल पुलिस स्टेशन में CR नंबर 358/2026 के तहत ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के सेक्शन 18 (A) और 18 (C), इंडियन पीनल कोड (BNS) के सेक्शन 223 और प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स एक्ट के सेक्शन 11 के तहत केस दर्ज किया गया है। आगे की जांच चल रही है और यह कार्रवाई पुलिस सब-इंस्पेक्टर बालासाहेब कोबरने, पुलिस कांस्टेबल सुभाष सूर्यवंशी, जितेंद्र चौधरी, पुलिस कांस्टेबल किशोर काले और ड्रग इंस्पेक्टर मनीष घोटमारे और जोसेफ चिरमेल ने मिलकर की।

### ■ ऑक्सीटोसिन का गलत इस्तेमाल खतरनाक है

ऑक्सीटोसिन एक दवा है जिसका इस्तेमाल प्रसूति के दौरान और मेडिकल ज़रूरत के हिसाब से यूटेराइन कॉन्ट्रैक्शन बढ़ाने के लिए किया जाता है। जानवरों के इस्तेमाल के लिए भी सख्त नियम लागू होते हैं। कुछ तबेलों में, इसका इस्तेमाल गैर-कानूनी तरीके से जल्दी और ज़्यादा मात्रा में दूध पाने या जल्दी प्रेग्नेंट होने के लिए किया जाता है। ऑक्सीटोसिन को बिना लाइसेंस के स्टोर करना और उसका गलत इस्तेमाल करना कानून के तहत सज़ा है और ऐसे मामलों में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट और दूसरे ज़रूरी कानूनों के तहत केस दर्ज किया जाता है।

### ■ इसके साइड इफ़ेक्ट क्या हैं?

जानवरों की सेहत पर इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। यूट्रस पर दबाव पड़ सकता है और फर्टिलिटी पर बुरा असर पड़ सकता है। बार-बार इस्तेमाल करने से जानवरों को दर्द और शारीरिक परेशानी हो सकती है। इससे जानवरों पर ज़ुल्म का मामला भी उठता है।

**जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि**

उल्हास विकास

## संपादकीय

### रूसी तेल पर सौ फीसद शुल्क का दांव

एक तरफ अमेरिका भारत से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटा है, दूसरी ओर वह रूस से तेल खरीदने पर सौ फीसद आयात शुल्क लगाने की तैयारी कर रहा है। व्यापारिक रिश्तों में विरोधाभास का यह विचित्र उदाहरण है। दरअसल, अमेरिका के दोनों प्रमुख दलों के सांसदों के एक समूह ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत और चीन सहित पांच देशों पर सौ फीसद तक आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इस विधेयक के पारित हो जाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारी-भरकम शुल्क थोपने का अधिकार मिल जाएगा। इस नए परिदृश्य में भारत-अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता का क्या भविष्य होगा, यह एक बड़ा सवाल है और फिर समझौते का भी क्या महत्त्व रह जाएगा?

गौरतलब है कि बीती फरवरी में व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा तय होने पर रूसी तेल से जुड़े अतिरिक्त पच्चीस फीसद शुल्क को हटा दिया गया था। अब नए सिरे से सौ फीसद शुल्क लगाने की प्रक्रिया से प्रतीत होता है कि अमेरिका भयादोहन की नीति अपना रहा है। हालांकि, संशोधित विधेयक को पहले के मसविदे से नरम बताया जा रहा है। शुरुआती प्रस्ताव में ट्रंप प्रशासन ने संसद में विधेयक पेश कर पांच सौ फीसद तक शुल्क लगाने की पेशकश की थी। मगर सवाल है कि कोई देश अगर रूस से तेल खरीदता है, तो उस पर अमेरिका को शुल्क लगाने का अधिकार कैसे मिल जाता है! ईरान पर हमले से लेकर शुल्क थोपने तक के मुद्दे पर जिस तरह से राष्ट्रपति ट्रंप अपने रुख से पलटते रहे हैं, उससे अमेरिका की साख कम हुई है। यह स्पष्ट है कि दूसरे देशों को मनमाने तरीके से संचालित करने और उन पर नाहक दबाव बनाने से अमेरिका की महाशक्ति की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दबाव बनाने और अपने मुताबिक संचालित करने के अलोकतांत्रिक कदमों से अमेरिका ने अपनी छवि धुंधली ही की है।

अब नाहक शुल्क लगाने की नीति से भारत के साथ उसके व्यापारिक रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। सवाल है कि अमेरिका की लगातार मनमानी से दुनिया प्रगति के रास्ते पर बढ़ेगी या पीछे चली जाएगी और इसका खुद अमेरिका पर कैसा असर पड़ेगा?

## विमर्श

# अतिवाद की हदों को पार करता स्त्रीवाद

हाल में अमेरिका में हुए कुछ सर्वे और रिपोर्ट पढ़ीं। उनमें बताया गया है कि वहां अधिकांश स्त्रियां पुरुषों से बराबरी चाहती हैं। समान वेतन और समान सुविधाओं को पसंद करती हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश खुद को फेमिनिस्ट या स्त्रीवादी नहीं कहलाना चाहतीं। बहुत से पुरुष भी स्त्रियों के अधिकारों के प्रबल समर्थक हैं, पर वे इस शब्द से परहेज करते हैं। आखिर इसका कारण क्या है? स्त्रियों का कहना है कि स्त्रीवाद ने शुरुआत में जो अधिकार मांगे थे, जैसे शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य आदि वे कमोबेश पूरे हो चुके हैं। जहां नहीं हुए हैं, वहां इन पर सोचा जा रहा है। इसलिए अब पुराने रागों का अलाप बंद होना चाहिए। वे फेमिनिज्म के अतिवादी रूप (रेडिकल फेमिनिज्म) से परेशान हैं। उनका कहना है कि हमेशा पुरुषों को शिकारी और अपने को शिकार दिखाना गलत अवधारणा है। पुरुष अच्छे भी हो सकते हैं और स्त्रियां बुरी भी हो सकती हैं। वे यह भी कहती हैं कि किसी दफ्तर में अधिकारी बनकर घंटों काम करने और दफ्तर की परेशानियों को झेलने से उनका जीवन आसान नहीं, बहुत कठिन हुआ है।

यही नहीं, फेमिनिज्म द्वारा स्त्री की हर पुरानी भूमिका की आलोचना की जाती है, जैसे खाना बनाने, बच्चे पालने, घर की देखभाल करने आदि को पिछड़ापन और शोषण का कारक बताया जाता है। यह सोच उन स्त्रियों को छोटा करता है, उनका अपमान करता है, जो इन भूमिकाओं में रहना चाहती हैं। इन स्त्रियों का कहना है कि यदि वे अपनी मर्जी से ये सब करना

चाहती हैं तो कोई और उनका मजाक कैसे उड़ा सकता है? उन्हें मुख्यधारा से कटा हुआ कैसे कह सकता है? यह भी सच है कि नौकरीपेशा स्त्रियां एक तरह से खुद को सैंडविच की तरह से महसूस करती हैं, क्योंकि उन्हें घर भी देखना होता है और दफ्तर में भी काम करना होता है। स्त्रियों का कहना यह भी है कि मेनस्ट्रीम फेमिनिस्ट स्त्रियों को हमेशा कमजोर साबित करती रहती हैं, जबकि उन्हें स्त्रियों की तरह-तरह की भूमिकाओं, उन्हें निभाने की उनकी ताकत और उनकी क्षमताओं पर बात करनी चाहिए। यही नहीं, पुरुषों को हमेशा नकारात्मक रूप में पेश करना भी समाज की कोई भलाई नहीं करता, क्योंकि अधिकांश पुरुष भी परिवार के लिए नौकरी या अच्छे काम करते हैं। उनकी इन भूमिकाओं की सराहना आखिर क्यों नहीं की जानी चाहिए?

अमेरिका में चलने वाले ट्रेडिशनल वाइफ मूवमेंट में शामिल स्त्रियां यह तक कहती हैं कि यदि वे अपने पति के लिए खाना बनाती हैं, बच्चों की देखभाल करती हैं तो यह उनका चुनाव है, पसंद है। दूसरी महिला इस पर सवाल उठाने वाली कौन होती है। इन बातों को पढ़ते हुए यही लगा कि कोई भी विमर्श शुरुआत में सहानुभूति से शुरू होता है। फिर धीरे-धीरे उसे ताकत प्राप्त होती है। मीडिया, जनता और सरकारों का समर्थन मिलता है तो फिर वह गुर्राने लगता है। सबसे सवाल पूछने और असहमत होने का अधिकार तो मांगता है, मगर यह नहीं देखना चाहता कि कोई उससे असहमत हो। इन दिनों अपने देश में चल रहे कई विमर्शों की यही सच्चाई है। आप जैसे ही उनसे असहमत होते हैं, सवाल पूछते हैं तो फौरन तरह-तरह के अपशब्दों के साथ आप पर हमला बोल देते हैं।

यह एक तानाशाहीपूर्ण रवैया है, क्योंकि तानाशाहियों में ही सवाल पूछना मना होता है। यदि कोई विमर्श सवालों से बचने लगे, सवाल पूछने वालों पर ही आक्रमण करने लगे, गाली-गलौज की भाषा का इस्तेमाल करने लगे तो माना जाना चाहिए कि उसका अंत करीब है। यों भी इतिहास से अब तक देखें तो किसी भी विचार-विमर्श की उम्र 70-100 साल से अधिक नहीं होती, क्योंकि कोई भी विचार और विमर्श अपना प्रतिपक्ष साथ लेकर आता है। जिस अमेरिका और यूरोप से स्त्रीवादी विचार चला था, वहां ही अब इस पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ट्रंप प्रशासन भी अतिवादी स्त्रीवाद का बड़ा आलोचक है। ट्रंप का कहना है कि रेडिकल फेमिनिज्म और एलजीबीटीक्यू की अमेरिका में कोई जगह नहीं है। सभी को एक साथ लेकर चलने की जरूरत है और थर्ड जेंडर जैसी चीज कोई नहीं होती। अमेरिका को बचाना है तो परिवार चाहिए। हालांकि वहां की स्त्रीवादी ट्रंप के विचार से सहमत नहीं हैं और उन्हें मिसोजोनिस्ट कहती हैं।

हम में से हरेक को वो सब दिया गया है जो हमें अपने सच्चे स्वरूप को जानने के लिए चाहिए।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

# कुडनकुलम में साइबर सेंधमारी

इसमें कोई दोराय नहीं कि समय के साथ बदलती तकनीक ने सभी क्षेत्रों में अपनी अनिवार्य जगह बनाई है और किसी भी प्रौद्योगिकी को अद्यतन तथा उपयोगी बनाए रखने के लिए यह जरूरी भी है। डिजिटल संरचना से लैस करना किसी भी संयंत्र की उपयोगिता बनाए रखने का सबसे अहम जरिया बन गया है। मगर यह भी तथ्य है कि जैसे-जैसे हर स्तर पर डिजिटल दायरे का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे साइबर फर्जीवाड़े से लेकर हमलों तक का संजाल भी फैलता जा रहा है। मामला केवल पैसों की ठगी या धोखाधड़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि अलग-अलग बड़े महत्त्व के संस्थानों से लेकर बेहद संवेदनशील इकाइयों में भी जिस तरह साइबर सेंधमारी की घटनाएं सामने आ रही हैं, वह अब समूची दुनिया में एक व्यापक चिंता का कारण बन रही है।

हैरानी की बात यह है कि एक ओर लगभग सभी क्षेत्रों में छोटे से लेकर बड़े काम तक का डिजिटलीकरण किया जा रहा है और साइबर सुरक्षा के सवाल को सबसे महत्त्वपूर्ण बताया जा रहा है, दूसरी ओर आए दिन साइबर हमलों या फर्जीवाड़े की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी की खबरें आ रही हैं।

गौरतलब है कि तमिलनाडु के कुडनकुलम स्थित देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजना से जुड़े हजारों संवेदनशील और गोपनीय प्रकृति के दस्तावेज सार्वजनिक होने की खबर के बाद साइबर सुरक्षा के मसले पर व्यापक चिंता उभरी है। दरअसल, 'वर्ल्ड लीक्स' नाम से कुख्यात एक साइबर अपराधी गिरोह ने दावा किया कि उसने संयंत्र से संबंधित उन्नीस हजार से ज्यादा संवेदनशील फाइलें 'डार्क वेब' पर जारी कर दी हैं।

ज्यादा चिंता की बात यह है कि जारी दस्तावेजों को चोरी हुए डेटा की आठ लाख अट्ठावन हजार फाइलों का महज एक हिस्सा बताया गया है। जाहिर है, यह घटना देश की परमाणु ऊर्जा से संबंधित एक महत्त्वपूर्ण अवसंरचना के साइबर सुरक्षा तंत्र के मजबूत होने के दावों पर एक सवालिया निशान है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर घटना माना जा रहा है। हालांकि खबरों के मुताबिक, चोरी हुए डेटा में परमाणु संयंत्र के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, लेकिन जो ब्योरे उड़ाए गए, उनकी वजह से गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

अब भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम इस मामले की जांच कर रहे हैं, लेकिन यह सवाल उठा है कि जब सबसे संवेदनशील माने जाने वाले संयंत्र की साइबर सुरक्षा में सेंध लगाकर कोई गिरोह इतनी आसानी से डेटा चोरी करके बाकायदा जारी कर दे रहा है, तो किस जगह और हिस्से को सुरक्षित माना जाए।

साइबर हमलों के लिहाज से भारत फिलहाल दुनिया के सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले वर्ष भारत में 2.89 करोड़ खाते किसी न किसी रूप में साइबर फर्जीवाड़े की जद में आए। विडंबना यह है कि कई बार संस्थानों को अपने तंत्र में हुए साइबर हमलों के बारे में पता भी नहीं चल पाता। ऐसे में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हुए साइबर हमले की गंभीरता समझी जा सकती है।

पिछले कुछ समय से देश की महत्त्वपूर्ण अवसंरचनाओं पर साइबर हमलों में जैसी तेजी दर्ज की गई है, उससे साफ है कि जिस रफ्तार से हर स्तर पर डिजिटलीकरण हो रहा है, उसी अनुपात में सुरक्षा इंतजामों का जाल तैयार नहीं किया जा रहा है। खासतौर पर साइबर अपराधों में जब से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल बढ़ा है, तब ऐसे हमलों से निपटना भी जटिल हुआ है।

# आंध्र प्रदेश का यह गांव क्यों बन गया 'घोस्ट विलेज'?

**जरा हट के**

तेलंगाना की सीमा के समीप आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या ज़िले के तंबल्लापल्ली मंडल से ग्रामीण पलायन की एक बेहद मार्मिक और चिंताजनक तस्वीर सामने आई है. बुनियादी सुविधाओं के अभाव और लगातार प्रशासनिक उपेक्षा के कारण पहाड़ी पर बसा ऐतिहासिक गाँव गट्टूमीदपल्ली अब पूरी तरह से जनशून्य हो चुका है. हाल ही में गाँव में डटे हुए अंतिम परिवार के भी नीचे मैदानी इलाके में विस्थापित हो जाने के बाद, यह गाँव आधिकारिक रूप से 'घोस्ट विलेज' यानी पूरी तरह वीरान बस्तियों की सूची में शामिल हो गया है.

कोसुवारीपल्ली के निकट एक ऊँची पहाड़ी पर स्थित गट्टूमीदपल्ली कभी सामाजिक जीवन और जीवंतता का प्रतीक हुआ करता था. कुछ दशकों पहले तक यहाँ त्योहारों की रौनक, खेतों में किसानों की

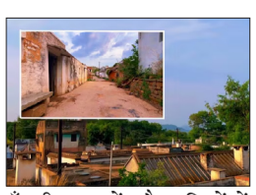

गूँजती आवाज़ें और गलियों में बच्चों की किलकारियां आम बात थीं. पथरीली ढलानों पर कतार में बने पक्के मकान और पारंपरिक मिट्टी के घर इस बात के गवाह हैं कि यहाँ कभी एक आत्मनिर्भर समाज बसता था. लेकिन आज यहाँ सिर्फ सूनी सड़कें, ढहती दीवारें और ताले लटके बंद दरवाज़े ही शेष रह गए हैं. स्थानीय निवासी राजेन्द्र साहू बताते हैं कि भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार इस गाँव के खाली होने की सबसे प्रमुख वजह पानी का भीषण संकट रहा. पहाड़ी इलाका होने के कारण यहाँ पीने और सिंचाई के पानी की भारी किल्लत हो गई, जिससे ग्रामीणों की आजीविका का मुख्य साधन यानी पारंपरिक खेती पूरी तरह प्रभावित हो गई. इसके अलावा, आधुनिक दौर में भी इस गाँव को जोड़ने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं बन सकी. स्कूल, अस्पताल और रोज़मर्रा के बाज़ार के लिए ग्रामीणों को हर दिन पथरीले रास्तों से होकर मीलों का सफर तय करना पड़ता था.

विकास की इसी कमी से परेशान होकर यहाँ के परिवारों ने एक-एक कर पलायन करना शुरू कर दिया. युवा पीढ़ी रोज़गार और शिक्षा के लिए शहरों की ओर रुख कर गई, वहीं शेष लोग स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में नीचे के गाँवों में बस गए.

खाना-खजाना

# वेज फ्राइड राइस

**सामग्री**

- 2-3 कप उबले हुए चावल
- 1 छोटा चम्मच बारीक कटी गाजर
- 1 छोटा चम्मच बारीक कटी बीन्स
- 1/2 कप पनीर
- 1/2 कप शिमला मिर्च
- 5-6 लंबाई में कटी पत्ता गोभी
- 4-5 टुकड़ों में कटे बेबीकॉर्न
- 1/2 कप पीनट्स
- 1 बड़ा चम्मच तेल
- 1 छोटा चम्मच जीरा
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च
- 1/2 चम्मच काली मिर्च पाउडर
- 2 बड़े चम्मच बारीक कटी प्याज
- 1/4 अदरक लहसुन पेस्ट
- 1 बड़ा चम्मच सोया सॉस
- स्वादानुसार नमक
- 2 बड़ी बारीक कटी हरी मिर्च

**विधि**

एक पैन में तेल डालें और गर्म होने के बाद सबसे पहले जीरा भून लें। उसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च भून लेनी है। इस स्टेप में गाजर, बीन्स, शिमला मिर्च, पत्तागोभी और बेबीकॉर्न फ्राई कर लें। बचे हुए 2-3 कप चावल डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

फिर थोड़ी देर तक चावलों को तेज आंच पर टॉस करते रहें। ध्यान रहे कि ऐसा करते समय चावल टूटे नहीं।

जब ऐसा लगे कि सब्जियां हल्की सी फ्राई हो गईं है तो उसमें नमक, काली मिर्च पाउडर और सोया सॉस मिला दें। इसे कम से कम एक मिनट तक पकाना है। आप चाहें तो ऊपर से रोस्टेड पीनट्स भी डाल सकते हैं।

आपके गरमा गर्म फ्राइड राइस बनकर तैयार हैं। इन्हें वेज मंचूरियन या चिली पनीर के साथ परोसें।

# अब केवल मानसून की बीमारी नहीं रहा डेंगू!

**■ मामूली वायरल बुखार समझकर न करें इग्नोर**

भारत में डेंगू के मामलों की बात करें तो फरवरी 2026 के आखिर तक ही करीब 6,927 मामले दर्ज किए जा चुके थे, जो असामान्य रूप से ज्यादा हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि पहले ऐसा माना जाता था कि फरवरी महीने में डेंगू कम फैलता है। इतना ही नहीं, महामारी एक्स्पर्ट्स का कहना है कि यह संख्या 2021 में जनवरी से मई के बीच दर्ज कुल मामलों से भी ज्यादा थी और 2022 की इसी अवधि के आंकड़ों के करीब पहुंच चुकी थी, जबकि मानसून अभी ठीक से शुरू भी नहीं हुआ था।

**■ डेंगू के बढ़ते मामलों की वजह**

डेंगू के बढ़ते मामलों की बात करें तो इसके पीछे कोई ऐसे कारण नहीं हैं जिनपर रोक नहीं लगाई जा सकती। ये काफी हद तक हमारी अपनी गतिविधियों से ही जुड़े हैं। पहली वजह तो यह कि बढ़ते तापमान के कारण अब मच्छरों का प्रजनन चक्र सर्दियों में भी पूरी तरह नहीं रुकता। वहीं, गर्म मौसम मच्छरों की सक्रिय अवधि को मानसून से पहले और बाद तक बढ़ा देता है। इसके अलावा, अनियमित बारिश, कभी बहुत तेज़ बारिश, कभी लंबे सूखे के बाद अचानक होने वाली बरसात, पूरे साल अलग-अलग समय पर पानी जमा होने की स्थिति पैदा करती है।

इसके साथ ही तेज़ी से हो रहा शहरीकरण भी समस्या को बढ़ा रहा है। निर्माण स्थल, छतों पर रखी पानी की टंकियां, फेंके हुए टायर और खुले नाले अब पूरे साल मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल जगह उपलब्ध कराते हैं, केवल चार महीने नहीं। भारतीय शहरों पर अध्ययन कर रहे सार्वजनिक स्वास्थ्य शोधकर्ताओं ने भी संकेत दिया है कि जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरी विकास के कारण डेंगू का भौगोलिक और मौसमी दायरा लगातार बढ़ रहा है।

**■ डेंगू की रोकथाम के लिए सलाह**

इसका सीधा संदेश यह है कि अब मच्छरों की रोकथाम केवल मानसून के दौरान की जाने वाली जिम्मेदारी नहीं रह गई है। कूलर का पानी खाली करना, पानी के बर्तनों और टंकियों को ढककर रखना, गमलों की ट्रे में जमा पानी हटाना और छत पर पड़े कबाड़ या कचरे की नियमित सफाई पूरे साल की आदत बननी चाहिए, न कि केवल बारिश के मौसम की तैयारी।

डॉक्टर यह भी सलाह देते हैं कि दिसंबर या फरवरी में बुखार, जोड़ों में दर्द या शरीर पर चकत्तों को केवल 'मौसमी वायरल' समझकर नजरअंदाज न करें। सिर्फ इसलिए कि मानसून नहीं है, यह मान लेना सही नहीं होगा कि डेंगू नहीं हो सकता, क्योंकि अब धीरे-धीरे ऐसा कोई निश्चित 'डेंगू सीजन' बचा ही नहीं है।

**■ बरतें ये सावधानियां**

यहां एक सावधानी की बात भी समझना जरूरी है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि हर साल डेंगू के मामलों की संख्या में काफी उतार-चढ़ाव हो सकता है। किसी एक साल में बड़ा प्रकोप आने के बाद लोगों में उस समय सक्रिय वायरस स्ट्रेन के खिलाफ अस्थायी प्रतिरक्षा विकसित हो जाती है, जिससे अगले साल मामलों में कमी देखी जा सकती है। लेकिन बाद में जब कोई दूसरा वायरस सीरोटाइप फैलता है, तो मामले फिर बढ़ सकते हैं। इसलिए किसी एक साल मामलों में कमी आने का मतलब यह नहीं है कि डेंगू की समस्या खत्म हो गई है।

## आज का राशिफल

**मेष** : विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

**वृषभ** : वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा।

**मिथुन** : आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

**कर्क** : लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

**सिंह** : रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

**कन्या** : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है।

**तुला** : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

**वृश्चिक** : नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

**धनु** : बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

**मकर** : आज धन का निवेश न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

**कुंभ** : कष्ट, भय व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें।

**मीन** : भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

# बारिश में भूलकर भी न खाएं ये मछलियां

**वरना हो सकता है फूड पॉइजनिंग!**

बारिश का मौसम आते ही खानपान को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है. इस दौरान, नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण बैक्टीरिया तेज़ी से पनप सकते हैं, जिससे फूड पॉइज़निंग का ख़तरा बढ़ जाता है. हालांकि मछली एक पौष्टिक भोजन है, लेकिन बारिश के दौरान केवल ताज़ी, सही ढंग से स्टोर की गई और अच्छी तरह पकाई गई मछली ही खानी चाहिए. इस मौसम में कुछ खास तरह की मछलियां खाते समय ज़्यादा सावधानी बरतनी चाहिए...

**■ लंबे समय तक खुली जगह पर रखी मछली**

बारिश के मौसम में अगर मछली को बिना बर्फ या सही तरीके से ठंडा रखे (रेफ्रिजरेशन के बिना) लंबे समय तक खुला छोड़ दिया जाए, तो उसमें बैक्टीरिया तेज़ी से बढ़ सकते हैं. ऐसी मछली खाने से फूड पॉइज़निंग का खतरा बढ़ जाता है.

**■ खराब गंध वाली या बासी मछली**

ताज़ी मछली से तेज़ या सड़ी हुई गंध नहीं आती है. अगर मछली से अजीब गंध आ रही हो, उसका रंग बदल गया हो या वह चिपचिपी लग रही हो, तो उसे न खरीदें और न ही खाएं.

**■ अधपकी मछली**

बारिश के मौसम में कच्ची या अधपकी मछली खाने से इन्फेक्शन का खतरा बढ़ सकता है. इसलिए, किसी भी संभावित हानिकारक कीटाणु को खत्म करने के लिए मछली को हमेशा अच्छी तरह पकाएं.

**■ संदिग्ध स्रोतों से आई मछली**

सड़क किनारे लगे स्टॉल या ऐसे विक्रेताओं से मछली न खरीदें जो साफ़-सफ़ाई का ध्यान नहीं रखते या जिनके पास कोल्ड चेन की सही सुविधा नहीं है. हमेशा सुबह के समय भरोसेमंद और साफ़-सुथरी दुकानों से ही मछली खरीदें.

**■ लंबे समय तक फ्रीज़र में रखी मछली**

अगर मछली को लंबे समय तक गलत तरीके से रखा गया है या उसे बार-बार पिघलाया और जमाया गया है, तो उसकी क्वालिटी खराब हो सकती है. ऐसी मछली खाने से बचना ही बेहतर है.

बारिश के दौरान सभी तरह की मछलियां नुकसानदायक नहीं होती हैं. ख़्य खतरा बासी, गलत तरीके से रखी गई या अधपकी मछली से होता है. इसलिए, ताज़ी मछली चुनें, साफ़-सफ़ाई का ध्यान रखें और पक्का करें कि मछली अच्छी तरह पकी हो. अगर मछली खाने के बाद उल्टी, दस्त, पेट दर्द या बुखार जैसे लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें.

# फ्रिज में स्टोर मटर को काम में लाने से पहले याद रखें ये बातें

**■ मटर की गुणवत्ता जरूर जांचें**

फ्रिज या फ्रीजर से मटर निकालने के बाद सबसे पहले उसके रंग, गंध और बनावट पर ध्यान दें. यदि मटर का रंग बहुत ज्यादा फीका पड़ गया हो, उस पर बर्फ की मोटी परत जमी हो या उसमें अजीब सी गंध आ रही हो, तो उसका उपयोग करने से बचें. ऐसी मटर का स्वाद खराब हो सकता है और स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है.

**■ पहले अच्छी तरह धो लें**

भले ही मटर पहले से साफ करके स्टोर की गई हो, फिर भी उपयोग करने से पहले उसे साफ पानी से धो लेना चाहिए. इससे सतह पर मौजूद धूल, बर्फ के कण या अन्य अशुद्धियां हट जाती हैं और मटर अधिक सुरक्षित हो जाती है.

**■ सीधे गर्म तेल में न डालें**

जमी हुई मटर को सीधे गर्म तेल या मसाले में डालने से उसका स्वाद और बनावट प्रभावित हो सकती है. बेहतर होगा कि पहले उसे कुछ मिनट सामान्य तापमान पर रखें या हल्का डीफ्रॉस्ट कर लें. इससे मटर समान रूप से पकती है और उसका स्वाद भी बेहतर बना रहता है.

**■ ज्यादा समय तक स्टोर न रखें**

हालांकि फ्रीजर में रखी मटर कई महीनों तक सुरक्षित रह सकती है, लेकिन बहुत लंबे समय तक स्टोर करने से उसके पोषक तत्व धीरे-धीरे कम होने लगते हैं. इसलिए कोशिश करें कि 8 से 12 महीने के भीतर स्टोर की गई मटर का उपयोग कर लिया जाए.

**■ पकाने का सही तरीका अपनाएं**

मटर को जरूरत से ज्यादा न पकाएं. अधिक देर तक पकाने से उसका रंग फीका पड़ सकता है और कुछ महत्वपूर्ण विटामिन भी नष्ट हो सकते हैं. हल्का पकाने से स्वाद और पोषण दोनों बने रहते हैं.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

## खबरें गांव की...

### पत्नी ने स्कूल मालिक पति को सांप से डसवाकर मारा: वैन ड्राइवर से अफेयर था

**मेरठ.** मेरठ में स्कूल संचालक पति को पत्नी ने सांप से डसवाकर मरवा दिया। उसने शादीशुदा वैन ड्राइवर प्रेमी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। दामिनी ने पहले पति अतुल कुमार (32) को दूध में नींद की गोलियां मिलाकर पिला दी। फिर रात 2 बजे प्रेमी और सपेरों को बुलाकर बिस्तर पर करैत सांप छोड़ दिया। यह देश के 4 सबसे जहरीले सांपों में आता है। उसने परिजनों से कहा कि अतुल को सांप ने काट लिया है। मामला तब पलटा, जब पूछताछ में पत्नी दामिनी (30) ने बताया कि उसे गर्मी लग रही थी, इसलिए वह बेटे के साथ कमरे से बाहर सोने चली गई थी। उसके इस बयान पर परिजनों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने दामिनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कॉल डिटेल खंगालने पर वैन ड्राइवर तुषार पायला से उसकी लगातार बातचीत सामने आई। तुषार को पकड़ा गया तो उसने पूरी साजिश कबूल कर ली।

### संत सखी की हत्या के पीछे डेटिंग ऐप का जाल

**मथुरा.** उत्तर प्रदेश के मथुरा के थाना जैंत पुलिस और सर्विलांस सेल की टीम ने नगला कीकी रोड पर झाड़ियों में मिले संत सखी सुनील त्रिपाठी उर्फ सनातन शरण त्रिपाठी के सनसनीखेज हत्याकांड का पर्दाफाश कर दिया है। शनिवार देर रात नगला कीकी के जंगलों में हुई पुलिस मुठभेड़ के दौरान जवाबी फायरिंग में दो शातिर हत्यारोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि उनके तीसरे साथी को घेराबंदी कर दबोच लिया गया। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने डेटिंग ऐप के जरिए हुस्न का जाल बिछाकर संत को लूटा था और फिर पहचान छुपाने के लिए लोहे की रॉड से सिर कूचकर उनकी हत्या कर दी थी।

### तोता हमारे पास है! 50 हजार के लिए 700 लोगों ने किया फोन

**आगरा.** यूपी के आगरा में आयकर अधिवक्ता के घर से लापता हुआ पालतू तोता 'माऊ' अब पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गया है। 50 हजार रुपये के इनाम की घोषणा के बाद अब तक करीब 700 लोग तोता मालिक से संपर्क कर चुके हैं। कई लोगों ने दावा किया कि माऊ उनके पास है, लेकिन अभी तक कोई भी दावा सही साबित नहीं हुआ। दो लोग तो अपने साथ तोता लेकर अधिवक्ता के घर भी पहुंचे, लेकिन पहचान होने पर पता चला कि वह माऊ नहीं है। वहीं, वकील के अभी तक एक लाख रुपये खर्च हो चुके हैं।

### हैवान बना स्कूल वैन ड्राइवर, नर्सरी में पढ़ रही 4 साल की बच्ची से रेप; डर के साए में मासूम

**लखनऊ.** लखनऊ से एक शर्मसार और हैरान कर देने वाली खबर आई है। यहां के तालकटोरा इलाके में एक स्कूल वैन के ड्राइवर ने चार साल की नर्सरी की छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। इस घटना से मासूम बच्ची इतनी डरी और सहमी थी कि किसी के सामने मुंह नहीं खोल सकी। बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर परिवारीजनों को घटना की जानकारी हुई। मां की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित बच्ची की मां ने बताया कि उनकी चार साल की बच्ची राजाजीपुरम के एक निजी स्कूल में नर्सरी की छात्रा है। बच्ची को लाने-ले जाने के लिए उन्होंने वैन लगवाई थी। वैन, उन्नाव का रहने वाला गिरीश मिश्रा चलाता था। शुक्रवार को बेटी स्कूल से आई तो डरी-सहमी थी। शनिवार को बच्ची की तबीयत और ज्यादा खराब हो गई।

# TMC के बागी 20 सांसद लोकसभा में अलग बैठेंगे

- उद्धव के 6 सांसदों के शिंदे गुट में जाने को स्पीकर की मंजूरी
- मानसून सत्र में बदलेगी तस्वीर

**नई दिल्ली.** ममता बनर्जी का साथ छोड़ने वाले TMC के 20 बागी सांसदों को लोकसभा में अलग बैठने की मंजूरी मिल गई है। 15 जून को तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) से विलय कर लिया था।

उधर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उद्धव गुट के 6 बागी सांसदों को भी मान्यता दे दी है। 22 जून को उद्धव का साथ छोड़कर 6 सांसद शिंदे गुट में शामिल हो गए थे। ये सांसद भी अब शिंदे गुट के साथ संसद में बैठेंगे।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी।

- उद्धव के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की

शिवसेना में 22 जून को फिर बगावत हुई थी। लोकसभा के कुल 9 में से 6 सांसद पार्टी से अलग होकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए थे। लोकसभा में अब शिंदे के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है।

शिंदे के साथ सभी 6 सांसदों ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका ऐलान किया था। डिप्टी सीएम ने कहा, 'जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब हमने छक्का लगाया है।'

- दोनों गुट NDA के साथ, मोदी सरकार का संख्या बल बढ़ा

TMC और उद्धव गुट के बागी सांसदों को मंजूरी मिलने से मोदी सरकार को फायदा मिलेगा। मोदी सरकार संसद में दो तिहाई बहुमत के और करीब आ जाएगी, जो संविधान संशोधन विधेयक पास करने के लिए अहम है।

सरकार महिला आरक्षण कानून लागू करने और परिसीमन विधेयक के जरिए संसद और राज्य विधानसभाओं की संख्या बढ़ाने वाले संविधान संशोधन विधेयक पास कराने के लिए जरूरी संख्या जुटानी की कोशिश कर रही है। अप्रैल में राज्यसभा के विशेष सत्र में सरकार की यह कोशिशें नाकाम हो गई थीं।

इसके बाद से विपक्ष की चार पार्टियों के 37 लोकसभा और राज्यसभा सांसद सत्ता पक्ष में शामिल हो चुके हैं। अप्रैल के मुकाबले दोनों सदनों में सरकार का समर्थन बढ़ा है, लेकिन दो-तिहाई बहुमत से अब भी पीछे है।

# सोनम वांगचुक का अस्पताल में दवा लेने से इनकार

- ड्रिप चढ़ाने से मना किया
- डॉक्टरों ने जरूरी बताया
- पर वांगचुक और उनका परिवार नहीं माना

**नई दिल्ली.** दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह पुलिस उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई। अस्पताल प्रशासन ने बुलेटिन जारी करके बताया कि वांगचुक को डिहाइड्रेशन हुआ है, लेकिन उन्होंने दवा या ड्रिप लगवाने से इनकार कर दिया है।

हेल्थ रिपोर्ट में बताया गया कि वांगचुक के शरीर पोटैशियम का लेवल घट गया है। यूरिन कीटोन बढ़कर 3+ हो गया। हालांकि, वांगचुक के डॉक्टर नितिन दीघे ने कहा- अस्पताल में गृह मंत्रालय का अधिकारी मौजूद होने के कारण हमारी टीम को वांगचुक से मिलने नहीं दिया गया।

वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंग्मो का भी दावा है कि सोनम का पोटैशियम लेवल कम है। इसकी दवा जंतर-मंतर पर भी दी जा सकती थी, अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं थी।

वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। वजन भी 9.5 किलो तक कम हो चुका है।

डॉक्टरों की टीम का कहना है कि वांगचुक को तुरंत ही अनशन तोड़ देना चाहिए, लेकिन वे और उनका परिवार इसके लिए तैयार नहीं हो रहे हैं।

### 20 जुलाई को संसद मार्च की अनुमति नहीं

**नई दिल्ली.** कॉकरोच जनता पार्टी 20 जुलाई को संसद चलो मार्च का आयोजन करने वाली है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को जंतर-मंतर पर इकट्ठा होने के लिए कहा गया है। हालांकि दिल्ली पुलिस ने साफ कर दिया है कि ना तो ऐसे किसी भी मार्च के लिए अनुमति मांगी गई है और ना दी गई है। सोमवार को ही संसद के मॉनसून सत्र का पहला दिन है।

# MP में UCC बिल को कैबिनेट की मंजूरी

- विधानसभा सत्र में पेश करने की तैयारी
- दो राज्यों में UCC विधेयक पारित, एक में लागू

**भोपाल.** मध्य प्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड, यूसीसी) लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रविवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यूसीसी विधेयक-2026 के ड्राफ्ट को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अब इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधानसभा का सत्र कल से शुरू हो रहा है।

कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार विधेयक को विधानसभा में पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। समानता भारतीय संस्कृति और मूल्यों का अभिन्न हिस्सा रही है। इसी भावना के अनुरूप सरकार ने यह कदम उठाया है।

देश में उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य है, जबकि गुजरात और असम में यूसीसी विधेयक पारित हो चुका है।

# गोधाम पथमेड़ा में पहली बार होगा जगद्गुरु शंकराचार्य जी का चातुर्मास

- 29 जुलाई से शुरू होगा भव्य महोत्सव

**मुंबई.** विश्व के सबसे बड़े गौ सेवा संस्थान 'श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा' में इस वर्ष एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। इतिहास में पहली बार किसी गौशाला प्रांगण में जगद्गुरु शंकराचार्य जी के पावन सान्निध्य में 'चातुर्मास आराधना महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। यह भव्य महोत्सव 29 जुलाई से 26 सितंबर तक चलेगा, जिसमें देशभर से लाखों गोभक्तों और श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है।

### गौशाला प्रांगण में ऐतिहासिक शुरुआत

गोवत्स विठ्ठल कृष्णजी ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान के संस्थापक एवं प्रधान संरक्षक, परम श्रद्धेय गोऋषि स्वामी श्री दत्तशरणानंद जी महाराज श्री की सत्-प्रेरणा से इस 'सुरभि हरिहर चातुर्मास आराधना महोत्सव' का ताना-बाना बुना गया है। सहस्त्रों गौ माताओं के मध्य, अभिनव ब्रजमंडल मनोरमा गोलोकतीर्थ अर्बुदारण्य की पावन धरा पर यह आयोजन होगा। शारदा द्वारिका पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य पूज्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज के सान्निध्य में होने वाले इस आयोजन को गोसेवा और सनातन संस्कृति के इतिहास में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

### सात महान कथाओं और धार्मिक उत्सवों का संगम

श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा लोक पुण्यार्थ न्यास के वरिष्ठ ट्रस्टी एवं पूर्व महामंत्री श्री प्रताप राम जी जेतपुरा ने बताया कि दो महीने तक चलने वाले इस चातुर्मास के दौरान भक्ति और ज्ञान की अविरल गंगा बहेगी। महोत्सव में मुख्य रूप से सात कथाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें शामिल हैं:

- श्रीमद्भागवत कथा
- श्रीरामचरितमानस कथा
- नानी बाई का मायरा
- श्री शिव महापुराण कथा
- श्री हरिहर भक्तमाल कथा
- गो भक्तमाल कथा

इन कथाओं के साथ-साथ प्रतिदिन विशेष गो-अनुष्ठान और विभिन्न पारंपरिक धार्मिक व सांस्कृतिक उत्सव भी धूमधाम से मनाए जाएंगे।

### गो-संवर्धन और चेतना पर राष्ट्रीय सेमिनार

महोत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह सामाजिक और वैज्ञानिक चेतना का केंद्र भी बनेगा। गोधाम पथमेड़ा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र जी पुरोहित धानोल ने बताया कि आयोजन के दौरान गोवंश के संरक्षण और उनके वैज्ञानिक महत्व पर राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। इनमें मुख्य रूप से:

- गोबर और गोमूत्र पर आधारित प्राकृतिक खेती
- गोदुग्ध के बहुआयामी उपयोग और गौ चिकित्सा
- देशी नस्ल संरक्षण और गोसंवर्धन
- पंचगव्य आधारित मानव चिकित्सा

जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ विचार-विमर्श करेंगे, जिससे देश भर में एक व्यापक गो-चेतना जनजागरण अभियान चलाया जा सके।

### मुंबई सहित देशभर में भारी उत्साह

महोत्सव को लेकर देश के विभिन्न राज्यों के श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। श्री अजयराज जी ने बताया कि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में इस महोत्सव के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए गोसेवकों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। मुंबई और देश के अन्य हिस्सों से हजारों श्रद्धालु विभिन्न यात्राओं के माध्यम से पथमेड़ा पहुंचेंगे और इस अनूठे गोसेवा व चातुर्मास आराधना का पुण्य लाभ उठाएंगे।

### आयोजन समिति की गरिमामयी उपस्थिति

इस विशेष अवसर पर पूज्य सदानंद महाराज, गोवत्स विठ्ठल कृष्ण, प्रतापराज जेतपुरा, अजयराज पोसिंतरा, श्नरेंद्र पुरोहित धानोल, श्नटवरलाल पोसिंतरा, सत्येंद्र बिश्नोई सांचौर, प्रेमसिंह जेतपुरा, मनीष सेवाड़िया, हरीश पुरोहित वाड़ा, श्रेवाशंकर धानोल और श्मनीष रणोदर सहित कई गणमान्य गोभक्त और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# कैलाश मानसरोवर यात्रा का चौथा दल धारचूला में फंसा

- भूस्खलन से 18 सड़कें बंद
- केदारनाथ मार्ग पर भी पत्थर गिरे, पैदल यात्रा जारी

**पिथौरागढ़.** उत्तराखंड में लगातार बारिश का असर अब प्रमुख तीर्थ यात्राओं पर दिखने लगा है। पिथौरागढ़ में कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर भूस्खलन होने से चौथा दल धारचूला में ही रुक गया है, जबकि जिले की 18 सड़कें बंद

हैं। वहीं रुद्रप्रयाग में केदारनाथ पैदल मार्ग पर भी कई जगह भूस्खलन हुआ, हालांकि प्रशासन ने रास्ता साफ कर पैदल यात्रा फिर शुरू करा दी है। पिथौरागढ़ जिले में गर्भाधार के पास पहाड़ी दरकने से कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर भारी मात्रा में मलबा और चट्टानें आ गईं। इसके चलते वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। इसी कारण कैलाश मानसरोवर यात्रा का चौथा दल धारचूला में रोक दिया गया है। सड़क खुलने के बाद ही श्रद्धालुओं को गुंजी के लिए रवाना किया जाएगा।

### 18 सड़कें बंद, थल-मुनस्यारी मार्ग 5 घंटे बाद खुला

भारी बारिश के बाद कैलाश मानसरोवर मार्ग समेत जिले की 18 सड़कें मलबा आने से बंद हो गईं। इनमें तवाघाट-गुंजी, मुवानी-आलम दारमा, सोबला-उमचिया, बंगापानी-जाराजिबली और होकरा-नामिक जैसे प्रमुख मार्ग शामिल हैं। वहीं थल-मुनस्यारी सड़क पर शुक्रवार रात मलबा गिरने से करीब पांच घंटे तक यातायात ठप रहा। सड़क सुबह करीब 10 बजे खुलने के बाद आवाजाही फिर शुरू हो सकी।

# बलूचिस्तान के ऐलान-ए-आजादी से धर्मसंकट में क्यों भारत?

- कूटनीति की कैसी त्रिकोणीय अग्निपरीक्षा

पाकिस्तान के सबसे बड़े और अशांत प्रांत बलूचिस्तान ने पाकिस्तान से आजाद होने और एक नए राष्ट्र के रूप में खुद को स्थापित करने का ऐलान किया है।बलूचों द्वारा एक नए देश के ऐलान ने पाकिस्तान के लिए नई मुसीबतें खड़ी कर दी हैं। खुद को बलूचों का प्रतिनिधि बताने वाले मीर यार बलूच ने एक दिन पहले, बुधवार (15 जुलाई) को अपने सोशल मीडिया X के हैंडल से ऐलान किया कि पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत बलूचिस्तान ने खुद

को अलग करते हुए आज़ादी का ऐलान कर दिया है। इस घोषणा के साथ ही 'रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान' के अस्तित्व में आने का दावा किया गया है। आज़ादी की घोषणा पाकिस्तान के खिलाफ बलूचिस्तान की लंबी लड़ाई की नवीनतम घटना है।

X पर किए गए पोस्ट में दावा गया है कि 'रिपब्लिक ऑफ़ बलूचिस्तान की रक्षा और सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान के 85 फीसदी इलाकों पर कब्ज़ा कर लिया है।' मीर यार बलूच ने आगे कहा कि 'बलूचिस्तान ने अपना राष्ट्रगान 'मा चुकेन बलोचानी' अपनाया है, अपना राष्ट्रीय ध्वज पेश किया है और अपनी मुद्रा 'बलूची फालुस' शुरू की है।' उन्होंने ऐलान किया कि बलूचिस्तान ने अपना नया राष्ट्रीय ध्वज और शासन प्रणाली भी स्थापित कर ली है।

### सोने और तांबे की खदानों पर नियंत्रण का दावा

स्वयंभू बलूच प्रशासन का दावा है कि पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा एजेंसियों के कई सदस्यों ने इस्तीफा देकर बलोच आंदोलन का हाथ थाम लिया है। प्रशासन के अनुसार, उनके पास लगभग 5 लाख कर्मियों की फौज है, जो 2026 के अंत तक पाकिस्तानी सेना को पूरी तरह खदेड़ने के लिए तैयार है। वायरल हो बलूचों के पत्र में दावा किया गया है कि नए अधिकारियों ने इलाके में मौजूद सोने और तांबे की खदानों, गैस क्षेत्रों और कोयले की खदानों समेत अहम प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण कर लिया है।

### भारत से अपील- हमें पाकिस्तान का हिस्सा न कहें

सबसे बड़ी बात यह है कि बलूचों ने भारत से खास अपील की है और कहा है कि हमें पाकिस्तान का हिस्सा न कहें। बलूचिस्तान के प्रतिनिधियों ने भारतीय मीडिया, बुद्धिजीवियों और नागरिकों से आग्रह किया है कि वे बलोच लोगों को 'पाकिस्तान के अपने लोग' कहना बंद करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बलोच और पाकिस्तानी (विशेषकर पंजाबी) अलग हैं, और वे लंबे समय से पाकिस्तानी सेना द्वारा किए जा रहे हवाई हमलों और मानवाधिकारों के हनन का शिकार रहे हैं।

### दोस्त संग मिलकर नर्स को दिया जहर का इंजेक्शन

**मेरठ.** मेरठ से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक शख्स ने जहर का इंजेक्शन लगाकर प्रेमिका नर्स की हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मौके पर सुसाइड नोट भी मिला था। हालांकि परिजनों ने लिखावट पर सवाल उठाए। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी समेत दो को गिरफ्तार कर लिया।

ये घटना लोहिया नगर स्थित एक अस्पताल का है। जहां 25 साल की नेहा नर्स थी। शनिवार सुबह वह अपनी ननद के साथ घर से ड्यूटी के लिए निकली थी। दोपहर करीब 12 बजे अस्पताल के ओटी में वह पड़ी मिली।

सत्यमेव जयते

**तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी कल्याण**
**ता. कल्याण यांचे कार्यालय**

जा.क्र. फौजदारी/ जन्म मृत्यु नोंद/टे-06/कावि-391/2025 दि.03/07/2026

**जाहीर नोटीस**

प्रति,
श्री. धर्मेंद्र शेवकराम ताराचंदानी **अर्जदार**
रा. बॅरेक नं.2030, रुम नं. 15, सेक्शन-37,
वसनशाह मंदिराजवळ, उल्हासनगर-5
ता. उल्हासनगर जि. ठाणे

**विरुध्द**

निबंधक,
जन्म मृत्यू नोंदणी विभाग,
कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका कल्याण
ता. कल्याण जि.ठाणे. **सामनेवाला**

तमाम जनतेस सदर नोटीसीद्वारे सुचीत करण्यात येते आहे ते येणेप्रमाणे:

उपरोक्त अर्जदार श्री.धर्मेंद्र शेवकराम ताराचंदानी यांचे वडील कै. शेवकराम कृपालदास ताराचंदानी यांचा मृत्यू दिनांक. 17/01/1980 रोजी रेल्वे हॉस्पिटल, ता. कल्याण जि. ठाणे येथे झालेला आहे. अर्जदाराकडुन काही अपरिहार्य कारणामुळे तसेच अनावधनामुळे सदर मृत्यूची नोंद, जन्म/मृत्यु नोंदणी विभाग, कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका कल्याण दफ्तरी करुन मृत्यूचा दाखला प्राप्त करुन घ्यावयाचा राहीला होता. अर्जदार यांना त्यांच्या काही वैयक्तिक कारणांसाठी वडीलांच्या मृत्यू दाखल्याची आवश्यकता आहे.

उशीरा मृत्यूची नोंदणी दाखला मिळणेसाठी मा. तहसीलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी यांचेकडुन आदेश प्राप्त करुन घ्यावयाचा असल्यामुळे सदर कार्यालयास विनंती अर्ज दि.01/09/2025 दाखल केला आहे.

सदर बाबत कोणत्याही व्यक्तीची कोणतीही हरकत असल्यास ही नोटीस प्रसिध्द झाल्यापासून 15 दिवसाच्या आत सदर न्यायालयात दाखल करावी, वरील मुदतीत कोणी योग्य हरकत दाखल न केल्यास सदर कार्यालया तर्फे अर्जदार श्री. धर्मेंद्र शेवकराम ताराचंदानी यांचे वडील कै. शेवकराम कृपालदास ताराचंदानी यांचा मृत्यू दिनांक 17/01/1980 नोंदणीचा दाखला मिळणेकरीता पुढील कारवाई करण्यात येईल.

आज दिनांक माहे 3/07/2026 रोजी माझे सहीने व शिक्क्याने दिली.

सही/-
**(विकास गारुडकर)**
तहसिलदार तथा
कार्यकारी दंडाधिकारी कल्याण

# पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

- 2 साल बाद कोई टाइटल जीता
- यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया

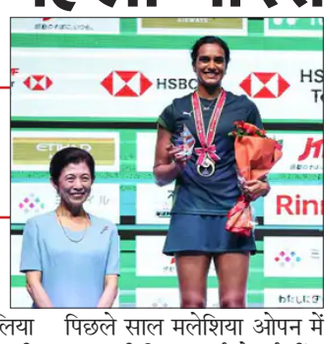

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं।

31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला।

सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं।

### 2019 के बाद पहला बड़ा खिताब जीतीं

सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं। यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है। 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

### चेन यू फेई चोटिल होकर बाहर हुईं

सेमीफाइनल में चीन की चेन यू फेई हैम्स्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गईं। उस समय सिंधु 21-19, 15-10 से आगे थीं। इससे पहले सिंधु ने जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण नहीं उतरीं, जिससे सिंधु को वॉकओवर मिला। इससे पहले दूसरे दौर में सिंधु ने चीन की हान यू को 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

# 30 साल बाद घर लौटेगा जवान का शव

- माउंट एवरेस्ट पर तूफान में फंसे थे लद्दाख के दोरजे
- 26 हजार फीट ऊपर गुफा में शरीर

**नई दिल्ली.** माउंट एवरेस्ट की बर्फीली चोटियों पर 26,247 फीट ऊंचे 'डेथ जोन' में पिछले 30 सालों से एक पर्वतारोही का शरीर बर्फ में जमा है। पैरों में हरे जूते होने के कारण दुनिया उसे 'ग्रीन बूट्स' के नाम से जानती रही। सालों तक इसे आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल शेवांग पाल्जोर का शव माना गया, लेकिन हाल में हुए डीएनए टेस्ट से पुष्टि हुई कि यह लांस नायक दोरजे मोरुप का पार्थिव शरीर है। अब 30 साल इंतजार के बाद इस साल अक्टूबर तक लद्दाख में दोरजे के परिवार को उनका शव सौंपा जाएगा।

दोरजे मोरुप, शेवांग पाल्जोर और सूबेदार शेवांग समनला 1996 में तिब्बत के उत्तरी मार्ग से एवरेस्ट फतह करने निकली पहली भारतीय

तीन सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। 10 मई 1996 को शिखर के पास तीनों भीषण बर्फीले तूफान में फंस गए थे। यह अभियान बाद में '1996 माउंट एवरेस्ट डिजास्टर' के नाम से जाना गया, जिसमें उस सीजन में 12 पर्वतारोहियों की मौत हुई थी।

### 75 वर्षीय पत्नी बोलीं- उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी

भास्कर ने दोरजे के घर पहुंचकर उनकी पत्नी कोनचोक यांगस्किट से मुलाकात की। 75 वर्षीय कोनचोक अब सुन नहीं सकतीं। वह पति की पेंशन पर गुजर-बसर करती हैं। जब से बेटे फुंतसोग दोरजे ने पिता का शव लाने वाले मिशन की सूचना दी, तब से वह रो रही हैं।

उन्होंने बेटे को कागज पर लिखकर दिया है कि उनकी आखिरी इच्छा एक बार पति को देखने की है। उन्होंने लिखा, 'उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी।'

### 30 साल तक शव क्यों नहीं निकाला जा सका

दोरजे का शव जिस जगह है, वह 8 हजार मीटर (करीब 26,247 फीट) से ऊपर का 'डेथ जोन' है। यहां समुद्र तल की तुलना में सिर्फ करीब 33% ऑक्सीजन होती है। इतनी ऊंचाई पर शरीर तेजी से जवाब देने लगता है। कोशिकाएं मरने लगती हैं। यहां हेलिकॉप्टर भी नहीं पहुंच सकते। इसलिए यहां से शव वापस लाना दुनिया के सबसे मुश्किल अभियानों में गिना जाता है। यही वजह है कि एवरेस्ट पर मारे गए 340 से ज्यादा पर्वतारोहियों में से अधिकांश के शव आज भी वहीं पड़े हैं।

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक



## संक्षेप...

### 6.27 लाख की बिजली चोरी का मामला दर्ज

**भिवंडी.** भिवंडी में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी का मामला सामने आया है. पुलिस के अनुसार, बिजली वितरण कंपनी टोरेंट पावर के अधिकारी अभिषेक अजय पाटील (26) की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है.शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पिंपलास गांव, जवारे गैरेज के पास, भिवंडी बायपास ठाणे रोड स्थित परिसर में 11 जून 2025 से 10 जून 2026 के बीच आरोपी ने आर्थिक लाभ के उद्देश्य से पास स्थित बिजली लाइन से दो कोर काले रंग की केबल के माध्यम से बिना विद्युत मीटर के अवैध कनेक्शन लेकर बिजली का उपयोग किया. इस दौरान 24,334 यूनिट बिजली की चोरी की गई, जिससे बिजली वितरण कंपनी को 6,27,940.06 रुपये का नुकसान हुआ.

# हनुमान नगर के रहिवासी को मिलेगा न्याय!

■ कमलेश निकम और उनकी टीम के द्वारा

**उल्हासनगर.** उल्हासनगर शहर के संशोधित विकास आराखड़े (Revised Development Plan) को लेकर अब बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। शिवसेना के नगरसेवक दुर्गा दिनेश राय ने आगामी 20 तारीख को होने वाली सर्व साधारण महासभा में अशासकीय प्रस्ताव पेश कर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

दुर्गा राय ने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये खर्च कर तैयार किए गए विकास आराखड़े में तकनीकी, भौगोलिक और कानूनी स्तर पर इतनी गंभीर त्रुटियां हैं कि यदि इसे वर्तमान स्वरूप में लागू किया गया तो आने वाले वर्षों में शहर का नियोजन पूरी तरह चौपट हो जाएगा। शिंदेगट के नगरसेवक राय ने कहा कि विकास आराखड़ा आज भी 2011 की जनगणना पर आधारित है, जबकि शहर की आबादी में भारी वृद्धि हो चुकी है। ऐसे में पुराने आंकड़ों के आधार पर भविष्य का विकास तय करना नागरिकों के साथ अन्याय है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शहर के अधिकांश क्षेत्रों का ऑन-साइट सर्वे (ELU Survey) किए बिना ही कार्यालय में बैठकर नक्शे तैयार कर दिए गए। इसके कारण अनेक स्थानों पर गलत

नुकसान उठाना पड़ सकता है। राय ने महासभा में बताया कि शहर के कई हिस्सों में सड़क चौड़ीकरण, ग्रीन जोन और अन्य आरक्षण वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाते। कुछ स्थानों पर तो पहले से मौजूद सरकारी सुविधाओं को भी गलत तरीके से दर्शाया गया है। अहम बात यह है कि हनुमान नगर जैसे रहिवासी क्षेत्र नक्शे से बाहर दिया गया है. ऐसी कई गंभीर विसंगतियों की ओर प्रस्ताव के जरिए प्रशासन का ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रस्ताव के जरिए दुर्गा राय ने आरोप लगाया कि यदि इन त्रुटियों को समय रहते नहीं सुधारा गया तो भविष्य में नागरिकों को निर्माण अनुमति, संपत्ति अधिकार और मूलभूत सुविधाओं के लिए वर्षों तक परेशान होना पड़ेगा। इससे प्रशासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर कानूनी विवाद भी खड़े हो सकते हैं। नगरसेवक दुर्गा राय ने आगामी महासभा यह प्रस्ताव पटल पर लाकर प्रशासन से मांग की है कि वर्तमान विकास आराखड़े को तत्काल पुनः परीक्षण के लिए भेजा जाए, पूरे शहर का ऑन-साइट सर्वे कराया जाए, सभी तकनीकी त्रुटियों को दूर किया जाए और नागरिकों के हितों की रक्षा करते हुए नया एवं वास्तविकता पर आधारित विकास आराखड़ा तैयार किया जाए। राजनीतिक गलियारों में इस प्रस्ताव के बाद हलचल तेज हो गई है।

अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि मनपा प्रशासन और सदन इन गंभीर आरोपों पर क्या निर्णय करता है या फिर करोड़ों रुपये से तैयार विवादित विकास आराखड़े को ही अंतिम मंजूरी देने की कोशिश करेगा। यह तो महासभा के बाद ही डिसाइडहोगा.

# अंबरनाथ नपा मागासवर्गीय समिति पर कबीर गायकवाड़ निर्विरोध चुने गए

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ नपा मागासवर्गीय समिति के सभापति पद पर कबीर नरेश गायकवाड़ निर्विरोध चुन लिए गए हैं. शुक्रवार को नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले ने नपा सभागृह में विशेष सभा का आयोजन करके इसकी घोषणा की है. उस समय मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ एवं सभी पक्ष के नगरसेवक सभागृह में उपस्थित थे. कबीर गायकवाड़ की सभापति पद पर नियुक्ति के बाद उन्होंने शिवसेना-भाजपा के नगरसेवकों एवं नगराध्यक्षा का आभार व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि वह इस सुनहरे अवसर का सभी के लिए खास करके मागासवर्गीय समाज के हित में और उनकी उन्नति के लिए कार्यरत रहेंगे.

विदित हो कि इससे पूर्व की विशेष सभा में सभी विषय समिति के सभापति का निर्विरोध चुनाव हुआ था. कबीर गायकवाड़ का नाम भी उसी दिन मागासवर्गीय समिति के लिए आया था, लेकिन शुक्रवार को एक विशेष सभा में उन्हें सभापति बनाए जाने की घोषणा की गई. इस घोषणा से पूर्व सभी नगरसेवकों की सहमति से उपरोक्त समिति के लिए पांच सदस्य एड. संदीप भराडे, रेशमा धनंजय सुर्वे, सुनिल वाघे, मनीष गायकवाड़ और कबीर गायकवाड़ को चुना गया. कबीर ने अपने पिता स्व. नरेश गायकवाड़ को याद करत ेहुए कहा कि वह उन्हीं के बताए हुए रास्ते पर चलकर उन्होने नगरसेवक का चुनाव जीता और आज उन्हें सभापति पद मिला है.

# पार्टनर रहे बिल्डर पर पार्टनर बिल्डर की सुपारी देने का आरोप

## श्रीबालाजी डेवलपर्स के पार्टनर शंकर सोनी ने नवीन जैसवानी पर दर्ज कराया टिटवाला थाने में केस

**कल्याण.** पुराने जमीन विवाद और कारोबारी विवाद ने अब आपराधिक रूप ले लिया है। करोड़ों की धोखाधड़ी और जमीन हड़पने के आरोपों के बाद अब श्री बालाजी डेवलपर्स के एक पार्टनर ने दूसरे पार्टनर पर हमला करके हाथ पैर तोड़ने एवं हत्या की गुंडो को सुपारी देने का आरोप लगाया है।

कल्याण के म्हारल गांव स्थित श्री बालाजी डेवलपर्स के पार्टनर 108 अंबिका अपार्टमेंट निवासी शंकरलाल वर्दीचंद सोनी (62) द्वारा कल्याण तालुका टिटवाला पुलिस थाने में अपराधिक मामला दर्ज कराया है। पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार शिकायत में कहा गया हैं कि नवीन हेमनदास जैसवानी पर 5 लाख रुपये की सुपारी देकर शंकरलाल सोनी के हाथ पैर तोड़ने एवं उनकी हत्या कराने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। टिटवाला पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

■ क्या है मामला..

शिकायतकर्ता बिल्डर शंकरलाल सोनी के अनुसार उनके और 304 साईपूजा पेलेस उल्हासनगर 1 निवासी नवीन हेमनदास जैसवानी परिवार के बीच कई वर्षों से जमीन और निर्माण व्यवसाय में साझेदारी थी। सोनी का आरोप है कि 69 गुंठा जमीन के

नवीन हेमनदास जैसवानी

शंकरलाल वर्दीचंद सोनी

सौदे में उन्होंने सोना दिया था, लेकिन न तो जमीन मिली और न ही सोना वापस किया गया। इसी विवाद को लेकर मामला आर्थिक अपराध शाखा, राजस्व विभाग और उच्च न्यायालय तक पहुंच गया।

■ ऑडियो और ट्रांसक्रिप्ट सौंपे-

शंकरलाल सोनी ने शिकायत में दावा किया है कि 29 मई 2026

को व्हाट्सएप कॉल के दौरान नवीन जैसवाणी ने विशालकुमार गुप्ता से बात करते हुए कहा था कि आपके लिए सुपारी नहीं शंकर सोनी के हाथ-पैर तुड़वाने के लिए भगवान भालेराव और बहादुर करौतिया से मिलने एवं सुपारी देने की बात कही थी।उसके बाद इस बारे में विशाल कुमार गुप्ता ने सोनी की जान को खतरा होने की जानकारी दी। शिकायतकर्ता शंकरलाल सोनी ने पुलिस को कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग और बातचीत का ट्रांसक्रिप्ट भी जांच के लिए सौंपा है। इस घटना के बाद शंकरलाल सोनी का परिवार दहशत में है और उन्होंने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है।

■ पुलिस का बयान-

टिटवाला पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मुकेश ढगे ने बताया कि 108 अंबिका अपार्टमेंट बिलगिट उल्हासनगर 1 निवासी शंकरलाल वर्दीचंद सोनी की शिकायत पर 304 साईपूजा पेलेस उल्हासनगर 1 निवासी नवीन हेमनदास जैसवानी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। शिकायत में लगाए गए सभी आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की गहन जांच पड़ताल और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

# आशेले गांव में परिवार के साथ मारपीट, 4 आरोपी गिरफ्तार

**उल्हासनगर.** छोटी सी बात पर उल्हासनगर के आशेले पाड़ा गांव में रहने वाले एक मराठी परिवार को परप्रांतीय द्वारा कोयता दिखाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है. प्रहार संगठन ने विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन पर धरना दिया और पीटने वाले आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की। इस बीच, पता चला है कि पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, आशेले पाड़ा में गणराज कॉलोनी में रहने वाली इंदु ताई यशवंत पाटिल के घर के सामने शर्मा परिवार रहता है। कपड़े सुखाने की छोटी सी बात पर राहुल शर्मा संतोष शर्मा ने पुराने झगड़े को फिर से हवा दी और पाटिल परिवार के साथ मारपीट की। चूंकि पुलिस ने इस मामले में सिर्फ कॉग्निजेबल केस दर्ज किया, इसलिए पाटिल परिवार प्रहार संगठन पहुंचा। प्रहार संगठन के स्वप्निल पाटिल पुलिस स्टेशन पर बैठ गए और आरोपियों के खिलाफ कॉग्निजेबल केस दर्ज करने और उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की।

## आम सूचना

मैं श्रीमती सुमन राजेंद्र सरोज सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम नं. 10, 659 चौ.फुट, बैरक नं. 521, उल्हासनगर- 2 (टैक्स नं. 23बीआय019080600) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुनील राजेंद्र सरोज व श्री सुशीलकुमार राजेंद्र सरोज, मिस पूजा राजेंद्र सरोज व श्रीमती कुसुम ब्रिजेश सरोज के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 9.6.2026 सी.नं. 361 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्रीमती सुमन राजेंद्र सरोज**

## आम सूचना

मैं श्रीमती सुमन राजेंद्र सरोज सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, 1050 चौ.फुट, रमाबाई आंबेडकर नगर, उल्हासनगर- 2 (टैक्स नं. 19बीओ017497900) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुनील राजेंद्र सरोज और अन्य तीन जनों के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 3.6.2026 सी.नं. 351 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्रीमती सुमन राजेंद्र सरोज**

## डॉक्टरों की आज की हड़ताल स्थगित

**कल्याण.** डोंबिवली के शास्त्रीनगर मनपा अस्पताल में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों पर हुए हमले के विरोध में 20 जुलाई को प्रस्तावित राज्यव्यापी हड़ताल स्थगित कर दी गई है। यह निर्णय बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा मुख्य आरोपी एवं शिवसेना (शिंदे गुट) के नगरसेवक रमेश म्हात्रे की जमानत पर रोक लगाए जाने के बाद लिया गया। आईएमए महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संतोष कुलकर्णी, प्रदेश सचिव डॉ. विक्रांत देसाई और प्रदेश कोषाध्यक्ष डॉ. अमोल गिते ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट का हस्तक्षेप एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी को देखते हुए 20 जुलाई की सांकेतिक हड़ताल फिलहाल स्थगित की जा रही है।

# महेश सुखरामानी 'सिंधु स्टार अवॉर्ड 2026' से सम्मानित

**उल्हासनगर।** उदयपुर में सिंधु एकता मंच द्वारा आयोजित 5वें अंतरराष्ट्रीय सिंधी सम्मेलन में महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व कार्याध्यक्ष महेश सुखरामानी को सिंधु स्टार अवॉर्ड 2026 देकर सम्मानित किया गया। महेश सुखरामानी को समाज सेवा, सिंधी समाज के उत्थान व विभिन्न सामाजिक कार्यों में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए 'सिंधु स्टार अवॉर्ड 2026' दिया गया। इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश के सांसद शंकर लालवानी सहित देश-विदेश से आए अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर सिंधु एकता मंच के पदाधिकारियों ने मंच पर महेश सुखरामानी और उनकी धर्मपत्नी नीतू सुखरामानी को सम्मानित किया। इस मौके पर महेश सुखरामानी ने कहा कि जो यह सम्मान उनको मिला है यह उल्हासनगर वासियों का सम्मान है और यह पल वह सदैव याद रखेंगे।

इस मोके पर सिंधु एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कोटवानी, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता तिलवानी सहित मंच के अन्य पदाधिकारियों ने महेश सुखरामानी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया।

महेश सुखरामानी ने सिंधु एकता मंच का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक समर्पण एवं निष्ठा के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा और भविष्य में सिंधी समाज के उत्थान तथा जनहित कार्यों के लिए निरंतर सक्रिय रहेंगे।

## लिफ्ट गिरने से मजदूर की मौत

**नवी मुंबई.** उलवे नोड में कंस्ट्रक्शन मटेरियल ढोने वाली लिफ्ट एक निर्माणाधीन बिल्डिंग की चौथी मंजिल से गिर गई. इस हादसे में एक मजदूर की मौत हुई. मरने वाले मजदूर की पहचान मुकेश कुमार रामनाथ के तौर पर हुई है. इस मामले में उलवे पुलिस ने बिल्डर शिवदास मोहिते और ठेकेदार पवन कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस के अनुसार उक्त दोनों ने मजदूरों की सुरक्षा का कोई ध्यान न रखते हुए बड़ी लापरवाही बरती, जिसकी वजह से मुकेश कुमार की जान गई. इस मामले में आगे की जांच जारी है.

## आम सूचना

मैं श्रीमती सुमन राजेंद्र सरोज सभी को सूचित कर रही हूं कि आधा हिस्सा रुम का, 414 चौ.फुट, बैरक नं. 271, उल्हासनगर- 2 (टैक्स नं. 20बीआय016460700) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुनील राजेंद्र सरोज और अन्य तीन जनों के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 9.6.2026 सी.नं. 363 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्रीमती सुमन राजेंद्र सरोज**

# 20-25 ऑडिशन में रिजेक्ट हुईं रश्मिका मंदाना

■ कहा गया- एक्ट्रेस जैसा चेहरा नहीं

आज रश्मिका मंदाना देश की बड़ी अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। 'पुष्पा', 'एनिमल' और 'छावा' जैसी फिल्मों से उन्होंने पैन इंडिया स्टार का दर्जा हासिल किया। लेकिन करियर की शुरुआत में उन्हें लगातार रिजेक्शन झेलने पड़े। उन्होंने करीब 20-25 ऑडिशन दिए, जिनमें ज्यादातर में यह कहकर रिजेक्ट कर दिया गया कि उनका चेहरा एक्ट्रेस जैसा नहीं है।

वह घर लौटकर रोती थीं। एक फिल्म के लिए 2-3 महीने ट्रेनिंग लेने के बाद वह फिल्म भी बंद हो गई। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और पहली ही कन्नड फिल्म 'किरिक पार्टी' से स्टार बन गईं।

र श्मि क ा मंदाना का जन्म 5 अप्रैल 1996 को कर्नाटक के कोडागु (कूर्ग) जिले के वीराजपेट में हुआ। वह कोडवा परिवार से ताल्लुक रखती हैं। खूबसूरत पहाड़ियों और कॉफी बागानों के लिए मशहूर कूर्ग में उनका बचपन बीता। उनके पिता मदन मंदाना स्थानीय कारोबारी हैं, जिनका कॉफी एस्टेट और एक फंक्शन हॉल है।

### बचपन में देखा आर्थिक संघर्ष

रश्मिका के पेरेंट्स के पास कभी उनके लिए खिलौने खरीदने तक के पैसे नहीं थे। उनके अनुसार, एक वक्त ऐसा था जब उनके पेरेंट्स को घर ढूंढ़ने और किराया देने के लिए भी संघर्ष करना पड़ा था। हालात इतने खराब थे कि वे अपनी बेटी को खिलौना तक नहीं खरीदकर दे पा रहे थे। इसी गरीबी को देखकर रश्मिका आज मेहनत से कमाए गए रुपयों की वैल्यू करती हैं।

## आम सूचना

मैं श्रीमती अंजली चंद्रभान सिंह सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 301, तीसरा माला, ट्वीन काम्पलेक्स, यू.नं. 36, 37, 38, 39, 40, 41, 43, 44, 45, 46, शीट नं. 8, सेक्शन-3ए व 3बी, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 43सीआय009917500) उक्त प्रॉपर्टी श्री मनोरंजन महादेव दास के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 17.7.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्रीमती अंजली चंद्रभान सिंह**

## आम सूचना

मैं श्रीमती नेहा पूरन रोहड़ा सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 504, पांचवा माला, सुगन पैलेस, ब्लॉक नं. सी-804, रुम नं. 1607, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 53डीआय011497300) उक्त प्रॉपर्टी श्री पूरन गोविंद रोड़ा के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 14.7.2014 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्रीमती नेहा पूरन रोहड़ा**

## आम सूचना

मैं श्रीमती उषा अशोक सिंगापुरे सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, तक्षशिला स्कूल के पास, प्लाट नं. 850, कुर्ला कैम्प, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 39डीओ013405800) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती वैशाली विशाल कांबले के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 18.7.2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्रीमती उषा अशोक सिंगापुरे**

## आम सूचना

हम श्री रविंद्र सुरेंद्र पांडा व श्री महेंद्र सुरेंद्र पांडा सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, गणेश बेकरी के पीछे, हनुमान टेकड़ी, लाल चक्की रोड, उल्हासनगर- 4 (टैक्स नं. 40सीओ009185700) उक्त प्रॉपर्टी श्री राजेंद्र सुरेंद्र पांडा, श्री जीतेंद्र सुरेंद्र पांडा, श्रीमती गौरी सुशांत पांडे ने रिलीज एग्रीमेंट 15.7.2026 द्वारा हमें दी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्री रविंद्र सुरेंद्र पांडा व**
**श्री महेंद्र सुरेंद्र पांडा**

## आम सूचना

मैं श्री सुनीलकुमार चूनीलाल निशाद अल्यास सहानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 160 चौ.फुट, आजाद नगर, उल्हासनगर- 2 (टैक्स नं. 25बीओ017246000) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती सुभावती चूनीलाल निशाद और अन्य तीन जनों के नाम पर है उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 8.7.2026 सी.नं. 334 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्री सुनीलकुमार चूनीलाल निशाद अल्यास सहानी**

## आम सूचना

मैं श्रीमती पोपरी कौर सतीश सिंघ लबाणा सभी को सूचित कर रही हूं कि हाऊस, बैरक नं. 628 के पास, उल्हासनगर- 3 (टैक्स नं. 19बीआय004347900) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती लक्ष्मीकौर गुरमीतसिंघ लबाणा व श्री गुरमीत सिंघ प्रीतमसिंघ लबाणा के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 11.6.2026 सी.नं. 126 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्रीमती पोपरी कौर सतीश सिंघ लबाणा**

## आम सूचना

मैं श्रीमती अनिता सोनू गुप्ता सभी को सूचित कर रही हूं कि हाऊस, 91 चौ.फुट, रमाबाई आंबेडकर नगर, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीओ016133900) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती अकालीदेवी निराहूप्रसाद चौधरी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 3.7.2026 सी.नं. 305 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्रीमती अनिता सोनू गुप्ता**

## आम सूचना

मैं अलीमुद्दीन लियाकत अली अंसारी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम नं. 2, 450 चौ.फुट, विंग नं. 39-40-41, बैरक नं. 625, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीआय016083700(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री दिलीप अछेलाल गुप्ता व श्री अनील अछेलाल गुप्ता के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 25.6.2026 सी.नं. 850 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**अलीमुद्दीन लियाकत अली अंसारी**

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099